

डॉ. लेस्ली एलन, यहजेकेल, व्याख्यान 6, यरूशलेम से निर्वासन के बारे में संकेत, भविष्यवाणी के बारे में संदेश, यहजेकेल 12:1-14:11

© 2024 लेस्ली एलन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. लेस्ली एलन और यहजेकेल की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 6 है, यरूशलेम से निर्वासन के बारे में संकेत, भविष्यवाणी के बारे में संदेश, पतन से पहले और पतन के बाद। यहजेकेल 12:1-14:11।

अब हम अपने व्याख्यानों में अध्याय 12 पर आ गए हैं और मैं आपको याद दिलाता हूँ कि हम यहजेकेल की पुस्तक के दूसरे भाग में हैं और वह दूसरा भाग अध्याय 8 में ऐतिहासिक तिथि के साथ शुरू हुए दर्शनों की रिपोर्ट के साथ शुरू हुआ।

और यह, निश्चित रूप से, वही पैटर्न था जो हमें किताब की शुरुआत में मिला था। और यह समानता जारी है क्योंकि किताब के पहले भाग में, हम प्रतीकात्मक क्रियाओं पर गए थे, और इसलिए हम अब ऐसा करने जा रहे हैं। समानता इस समानांतर संरचना को जारी रखती है।

12:1-20 में, हमारे पास प्रतीकात्मक कार्य हैं जिन्हें यहजेकेल को करने के लिए कहा गया है, जैसा कि उसने पुस्तक के पहले भाग में किया था। दो प्रतीकात्मक कार्य हैं: पहला पद 1-16 में है, और दूसरा पद 17-20 में है। प्रत्येक के आरंभ में संदेश प्राप्त करने के बारे में सूचना दी गई है, जो दोनों भागों को अलग करती है।

पद 1, प्रभु का वचन मेरे पास आया। पद 17, प्रभु का वचन मेरे पास आया। और इस प्रकार, दो प्रतीकात्मक क्रियाएँ उनकी टिप्पणियों के साथ इस तरह से विभेदित की जाती हैं।

पहले बताए गए प्रतीकात्मक कार्यों की तरह, वे भविष्य की भविष्यवाणी करने में मदद करते हैं। और इसके और भी तरीके हैं। हमने कहा कि कार्य शब्दों से ज़्यादा ज़ोर से बोलते हैं।

और इसलिए यहाँ भी हम यह दिखाओ और बताओ वाला रवैया पाते हैं कि पहले एक प्रतीकात्मक कार्रवाई होती है और फिर उसका स्पष्टीकरण होता है। और इसलिए, वे 597 के इन निर्वासितों के लिए आपदा की भविष्यवाणी करने में मदद करते हैं और वे उन झूठी उम्मीदों को नष्ट कर देते हैं जो इन युद्धबंदियों के पास थीं। उन युद्धबंदियों ने अपना हौसला बनाए रखा।

उन्होंने खुद को प्रोत्साहित किया कि यह लंबे समय तक नहीं चलेगा। ज्वार बहुत जल्द ही बदल जाएगा और हम एक बार फिर से भूमि पर वापस चले जाएंगे। और जैसा कि हमने पहले कहा है, यहजेकेल को विभिन्न तरीकों से नहीं, नहीं, नहीं चिल्लाना जारी रखना होगा।

इनमें से एक तरीका प्रतीकात्मक कार्यों के माध्यम से है। आपको याद होगा कि यिर्मयाह ने अपनी पुस्तक के अध्याय 29 में उन 597 निर्वासितों को एक पत्र लिखा था और उनसे कहा था कि आप जल्द ही वापस आने की उम्मीद करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने 70 साल का अनुमानित आंकड़ा दिया था, और यह अनुमानित आंकड़ा बिल्कुल सही था।

538 में निर्वासितों का पहला दल यहूदा वापस आना शुरू हुआ। और इसलिए, यहजेकेल का संदेश भी कुछ ऐसा ही है। यह जल्दी नहीं होने वाला है, लेकिन वह यह भी कहता है कि यह अंततः होगा, जैसा कि यिर्मयाह ने कहा था।

1 से 16 तक, पहली प्रतीकात्मक क्रिया का विवरण तीन विशिष्ट उपखंडों में आता है। 2 से 6 में यहजेकेल को इसे करने के लिए परमेश्वर के निर्देश, पद 7 में यहजेकेल का प्रदर्शन, तथा पद 8 से 16 में युद्ध के कैदियों को अगले दिन व्याख्या करना। और इस प्रकार, इस मामले में पूरा संचार दो दिनों में फैला हुआ है।

श्लोक 2 और 3 प्रतीकवाद का परिचय देते हैं। हे नश्वर, तुम एक विद्रोही घर के बीच में रह रहे हो। ओह, हमारे साथ ऐसा पहले भी कई बार हुआ है, है न? और यहाँ फिर से यह विशिष्ट वर्णन है, इन निर्वासितों का विद्रोही समुदाय।

और यहाँ हमें बताया गया है कि उनके पास देखने के लिए आँखें हैं, लेकिन वे नहीं देखते, सुनने के लिए कान हैं, लेकिन वे नहीं सुनते, क्योंकि वे एक विद्रोही घराने के हैं। और यह वर्णन ऐसा है जिसे हमने पहले भी देखा है। अगर हम अपने भविष्यवक्ताओं को जानते हैं, तो हमने इसे पहले भी पढ़ा है।

यशायाह को, जब वह भविष्यवक्ता बनने के लिए बुला रहा था, कुछ ऐसा ही कहा गया था। यशायाह 6 की आयत 9 में परमेश्वर ने कहा, जाओ और इन लोगों से कहो, सुनते रहो, परन्तु समझो मत, देखते रहो, परन्तु समझो मत। और यशायाह से कहा गया, इन लोगों के मन को मंद कर दो, और उनके कान बन्द कर दो, और उनकी आँखें बन्द कर दो, कि वे अपनी आँखों से न देखें, और अपने कानों से न सुनें।

उस स्थिति में, यशायाह के माध्यम से परमेश्वर, यशायाह के संदेश को अस्वीकार करके परमेश्वर के प्रति उनकी घृणा को उजागर करने जा रहा था, जो निर्वासितों पर और भी अधिक दोष डालेगा और परमेश्वर की ओर से दंड के लिए उनकी और भी अधिक देयता होगी। लेकिन अधिक प्रत्यक्ष रूप से, यहजेकेल शायद यशायाह 6 के बारे में जानता था, और मुझे नहीं पता कि उसे क्यों नहीं पता था, लेकिन अधिक प्रत्यक्ष रूप से, यह यिर्मयाह में एक श्लोक की याद दिलाता है, जिसे यहजेकेल ने यिर्मयाह को निर्वासन से पहले के दिनों में कहते हुए सुना होगा। यिर्मयाह 5 और श्लोक 21, यिर्मयाह को यह कहते हुए कहा गया है, हे मूर्ख और नासमझ लोगों, यह सुनो, जिनके पास आँखें तो हैं, परन्तु वे नहीं देखते, जिनके पास कान तो हैं, परन्तु वे नहीं सुनते।

और यही वह है जिसे उठाया जा रहा है और जिसे बढ़ाया जा रहा है, वास्तव में, यहाँ इस विवरण में, इस योग्यता के साथ जो कि यहजेकेल से बहुत संबंधित है, वे एक विद्रोही घर हैं। और आप

आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए, श्लोक 3 में, और वहाँ एक छोटी सी याद है, न्याय के एक वाणी के प्रारूप पर एक छोटी सी नज़र है, जो आरोप से शुरू होती है, और आरोप विद्रोही घर में आता है, और फिर यह न्याय की ओर बढ़ता है, जो कि आने वाली सज़ा है। और बहुत बार, दोनों के बीच जुड़ाव का एक स्पष्ट संकेत है, इसलिए, शब्द, आरोप से सज़ा तक तार्किक प्रगति।

और यही बात हमें प्रतीकात्मक कार्रवाई से भी पता चलती है। तो, प्रतीकात्मक कार्रवाई आरोप के बाद सज़ा का संकेत देने वाली है। वे एक विद्रोही घराने हैं; वे यह प्रतीकात्मक कार्रवाई करते हैं।

और यह काफी जटिल है। यह जेकेल को यह दिखावा करना है कि वह यरूशलेम में वापस आ गया है, और उसे यह दिखावा करना है कि उसे बताया गया है कि उसे बेबीलोन जाने के लिए निर्वासन की तैयारी करनी है। और बेशक, इस प्रतीकात्मक कार्रवाई का उद्देश्य 587 और उसके बाद लोगों के सामान्य निर्वासन की भविष्यवाणी करना है।

लेकिन यह बात ईजेकील को एक तरह की अनुभूति से भर गई होगी, क्योंकि यह वही काम था जो उसने कुछ साल पहले 597 में किया था। पाँच साल पहले, लेकिन उससे पहले, उसे निर्वासन की राह पर उस लंबी यात्रा और तैयारियों के बारे में पता था। वह अपने साथ क्या ले जाने वाला था? उसे क्या ले जाना चाहिए था? अपने सामान को छांटना।

बहुत ज़्यादा नहीं, एक बोरी में रखने के लिए पर्याप्त, मेरी पीठ पर ले जाने के लिए बहुत भारी नहीं। और इसलिए, उसे इसे फिर से करना है, लेकिन अब 587 को ध्यान में रखते हुए और 587 के बाद निर्वासन को ध्यान में रखते हुए। और इसलिए, निर्वासन के सामान में खुद को तैयार करें और उनकी नज़र में दिन में निर्वासन में जाएँ।

लोग देख रहे होंगे; असल में, वहाँ दर्शक होंगे। और ये, ज़ाहिर है, बेबीलोनिया में 597 निर्वासित लोग हैं। आपको उनकी नज़र में अपने स्थान से दूसरे स्थान पर निर्वासित की तरह जाना चाहिए।

शायद, यह भगवान की ओर से एक उदास विचार है, यह एक आह के साथ कहा गया है, शायद वे समझ जाएंगे, हालांकि वे एक विद्रोही घर हैं। उन्हें सच बताया गया है, क्या यह उनके अंदर उतरेगा, हम नहीं जानते। और भगवान को डर नहीं है, लेकिन हो सकता है, हो सकता है।

हम देखेंगे कि यह कैसे होता है। और इसलिए, जो कुछ हो रहा है, वह काफी जटिल है कि प्रतीकात्मक कार्रवाई का पहला भाग बेबीलोन में निर्वासित ईजेकील के घर के भीतर होता है। और उसे अपनी चीजों को छांटना है, उसे अपने निर्वासन से बाहर निकालना है, उसे यह तय करना है कि मैं किस तरह की चीजों को निर्वासन में ले जाऊंगा।

और वह सोच रहा है कि पिछली बार उसने क्या उठाया था, और शायद यह वही चीज़ें हैं जो वह फिर से बोरी में डाल रहा है। शायद यह वही बोरी है जिसे वह बेबीलोन की उस लंबी यात्रा पर ले गया था। और वह उसे छांटता है।

उसे उस थैले को दरवाजे के बाहर रखना था और वहीं छोड़ देना था। और लोग कहेंगे, वह क्या कर रहा है? यह बोरी क्या है? ओह, वह फिर से घर के अंदर चला गया है, चलो देखते हैं। और उन्होंने बोरी में हाथ डाला, यह क्या है? यह क्या है? ओह, उसके पास अपनी पसंद की चीज़ें हैं।

हाँ, वह वहाँ क्या कर रहा है? वे चोरी हो सकते हैं, और वह आशा करता है कि वे चोरी न हों। और इसलिए, उसे ध्यान मिल गया है; निर्वासन में यहजेकेल के घर के बाहर बोरी क्या कर रही है? वह दीवार को भी खोदने जा रहा है।

निर्वासन का एक और हिस्सा दीवार को खोदना है। और इसका क्या मतलब है? यह समझाया जाएगा। यह प्रतीकात्मक क्रिया का एक और हिस्सा है।

इससे दीवार में छेद हो जाता है। बेबीलोनिया में, घर एडोब ईंटों से बने होते थे, और आप उन्हें नुकसान पहुंचा सकते थे और उनमें आसानी से छेद कर सकते थे। लेकिन यह प्रतीकात्मक क्रिया का एक और हिस्सा है, दीवार में यह छेद जो उसे बनाना है।

और इसका क्या मतलब है? खैर, हम अंततः पता लगा लेंगे। लेकिन उसने इतना छेद कर दिया है कि वह अपनी बोरी को उसमें से निकाल कर बाहर रख सकता है। लेकिन उसके बाद, शाम के अंधेरे में, उसे बाहर जाना है और अपनी बोरी को अपनी पीठ पर लादकर अपने दर्शकों से दूर निकल जाना है।

और जब वह जाता है, तो उसे अपना चेहरा ढंकना पड़ता है, और वह अपनी सारी यादों के साथ अपने घर पर एक आखिरी नज़र भी नहीं डाल सकता। तो, यह किसी ऐसे व्यक्ति की निर्वासित प्रतिक्रिया की तरह है जो निर्वासन में जा रहा है। आप देखना बर्दाश्त नहीं कर सकते।

मुझे याद है जब मैं घर से निकलकर टैक्सी में चला गया था, तो मैंने उस पुराने घर की तरफ नहीं देखा था। वह चला गया है। वह चला गया है।

मुझे आगे देखना है। मुझे आगे देखना है। और इसलिए, अपनी आँखें बंद कर लो।

पुराने घर की ओर मत देखो। और छठी आयत में, उसने कहा है कि तुम्हें इस्राएल के घराने में नियुक्त किया गया है। यह कुछ ऐसा है जो 587 में भविष्य के निर्वासन के लिए प्रासंगिक है।

और इसलिए उसने यही किया। उसने यही किया। और उसने गड्ढा खोदा और अपनी बोरी को ले गया जो उसने तैयार की थी।

और फिर व्याख्या की बारी आती है। अगली सुबह, वह चुपचाप घर वापस आया और बिस्तर पर चला गया। और सुबह, आठवीं आयत में प्रभु का वचन मेरे पास आया।

और यह व्याख्या है। और व्याख्या में एक मुख्य तत्व दिया गया है। और हमने इसके बारे में पहले कुछ नहीं सुना है।

यरूशलेम में रहने वाले लोगों को निर्वासित किया जा रहा है, जिसमें राजा भी शामिल है। यह निर्वासन इतना क्रांतिकारी होने वाला था। यहाँ तक कि राजा को भी निर्वासित किया जाएगा।

और यह भविष्य के लिए वादा है। यह सिदकिय्याह है, यहूदा का आखिरी राजा। यह भविष्यवाणी यरूशलेम के राजकुमार और उसमें रहने वाले इस्राएल के पूरे घराने से संबंधित है।

इसलिए राजा सिदकिय्याह को भी निर्वासित किया जाएगा। और यह एक संकेत है। श्लोक 11.

कहो, मैं तुम्हारे लिए नियुक्त किया गया हूँ, जैसा मैंने किया है, वैसा ही उनके साथ भी किया जाएगा। वे निर्वासन में चले जाएँगे, बंदी बनाए जाएँगे। और इसलिए, ये वे लोग हैं जो अभी भी यरूशलेम में हैं, जिन्हें वास्तव में 597 में निर्वासित किया जाएगा।

और वह फिर से राजकुमार के पास वापस आ रहा है, उसे भी शामिल कर रहा है। वह अपना बोरा लेकर जाने वाला है, और फिर वह जाने वाला है। और फिर हमें श्लोक 11 के मध्य में एक विवादास्पद मुद्दा मिल गया।

नया RSV कहता है कि वह दीवार को खोदकर अंदर ले जाएगा। वह अपना चेहरा ढक लेगा ताकि वह अपनी आँखों से ज़मीन न देख सके। अब यह वह शब्द है जो उसने कहा है।

और इसमें थोड़ी अनिश्चितता है क्योंकि न्यू RSV के निचले हिस्से में हाशिये पर लिखा है कि दो प्राचीन संस्करणों में इसके अच्छे गवाह हैं। लेकिन हिब्रू पाठ में वास्तव में वे, वे लिखा है। यह सिदकिय्याह का संदर्भ नहीं है, बल्कि आम तौर पर निर्वासितों का संदर्भ है।

और वह हिब्रू पाठ NIV में रखा गया है, और, मुझे लगता है, अच्छे औचित्य के साथ। अब, हम निर्वासन के बारे में सामान्य रूप से बात करने के लिए आगे बढ़ गए हैं। नहीं, यह निर्वासन के बारे में बात नहीं कर रहा है।

यह बात है। दीवार में खुदाई करने का क्या मतलब है? दीवार में खुदाई करने का मतलब बेबीलोन की सेना से है जो यरूशलेम को घेर रही थी।

और वे यरूशलेम के चारों ओर की दीवार को गिराने और अंदर घुसने में कामयाब हो गए। और इसलिए, यह यरूशलेम की घेराबंदी में वह अंतिम झटका है जहाँ यरूशलेम को गिरना ही है। और इसलिए, यह उन बेबीलोन के सैनिकों का काम है जो यरूशलेम को, लगभग 18 महीनों से घेरे हुए हैं।

लेकिन अब आखिरकार वे उस दीवार को तोड़कर अंदर घुस सकते हैं। और दरवाज़े खोलकर अपनी पूरी सेना को अंदर ले जा सकते हैं। और ऐसा लगता है कि वहाँ यही हो रहा है।

और फिर श्लोक 13 में, मैं राजा पर अपना जाल फैलाऊंगा और वह मेरे जाल में फंस जाएगा। खैर, वास्तव में, यिर्मयाह, 2 राजाओं के अनुसार, यिर्मयाह, जब बेबीलोन के लोग शहर के उत्तरी भाग से आ रहे थे, तो वह अपने साथियों के साथ शहर के दक्षिणी भाग में एक गेट से बाहर निकल

गया और जॉर्डन की ओर अपना रास्ता बना लिया, सुरक्षा के लिए जॉर्डन को पार करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन उसे देखा गया या फिर किसी जासूस ने बेबीलोन के सैनिकों को बताया और सेना उसके पीछे आई और उसे पकड़ लिया और उसे अपने जाल में फँसा लिया जैसे कि वे शिकारी हों।

खैर, किंग यही कहते हैं। और यही मानवीय स्थिति है। लेकिन यहाँ तो भगवान ही ऐसा कर रहे हैं।

मैं उस पर अपना जाल फैलाऊँगा। वह मेरे फंदे में फँस जाएगा, और मैं उसे बाबुल ले जाऊँगा। मैं उसके आस-पास के सभी लोगों, उसके सहायकों और उसकी सारी सेना को चारों ओर से तितर-बितर कर दूँगा।

और मैं उनके पीछे की तलवार निकाल लूँगा क्योंकि परमेश्वर ही एजेंट है। परमेश्वर ही इन बेबीलोन की सेना के पीछे असली एजेंट है।

और यह वास्तव में उसका काम है। और इसलिए वहाँ इस बात पर ज़ोर दिया गया है। और तब वे जान लेंगे कि मैं प्रभु हूँ।

उन्हें एहसास होगा कि आखिरकार वे जाग गए हैं। आखिरकार उनकी आंखें देख सकेंगी और उनके कान सुन सकेंगे। और शायद, यह केवल उस कठोर जागृति का समय होगा जब यह वास्तव में घटित होगा।

तब वे जान जाएँगे। लेकिन 17, मैं उनमें से कुछ को तलवार, अकाल और महामारी से बचा लूँगा। याद है वह तिकड़ी जो हमने पहले देखी थी? यहाँ यह फिर से आता है, 587 से जुड़ा हुआ।

ये परमेश्वर के भौतिक प्रतिनिधि हैं - तलवार, अकाल और महामारी। ताकि वे अपने सभी घृणित कामों को उन राष्ट्रों में बता सकें जहाँ वे जाते हैं, तब वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।

और निर्वासित लोग आएँगे और उन्हें एहसास होगा कि यह उचित है। उन्हें एहसास होगा कि यह ईश्वर की सज़ा है। और वे उन सभी आरोपों के बारे में बोलेंगे जिनके वे हकदार हैं।

और वे घृणित कार्य, धार्मिक पाप, नैतिक पाप, सामाजिक पाप। इसी कारण वे इस दुखद स्थिति में पहुँचे। फिर पद 17 में, हम दूसरे प्रतीकात्मक कार्य पर आते हैं।

यह यरूशलेम की घेराबंदी से जुड़ा है, ठीक वैसे ही जैसे पहला मामला था। यह घेराबंदी का अंत था।

लेकिन यहाँ तो ऐसा लगता है कि घेराबंदी के दौरान की घटना है। लोग घेरे हुए हैं, और उनके पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन है। और वे अपने अगले भोजन के लिए बैठे हैं।

लेकिन वे डर से घिरे हुए हैं। और वे अपने दिल में जानते हैं कि अंत आने वाला है। आखिरकार, दीवारों के बाहर मौजूद बेबीलोन की सेनाएँ तोड़कर अंदर घुस जाएँगी।

और इसलिए, वे अपना खाना खाते समय भी चिंतित रहते हैं। और यहजेकेल को लोगों को अपने घर में आमंत्रित करना है। और उसे अपनी मेज़ पर बैठना है।

और उसे अपना खाना खाना है। लेकिन उसका हाथ उसी तरह काँप रहा होगा। और वह अपना पेय लेने जा रहा है।

और वह इसे गिरा देगा। और यह उसके मुंह तक नहीं पहुंच पाएगा। और वह बहुत डर जाएगा।

यह उस चिंता की तस्वीर है जो यरूशलेम के लोगों को जकड़ने वाली है, यह जानते हुए कि देर-सवेर उनका क्या हश्र होने वाला है। वे मौत के घाट उतार दिए जाने के लिए तैयार हैं।

और वे पकड़े जायेंगे। और यरूशलेम गिर जायेगा। और वे निर्वासन में चले जायेंगे।

और इसलिए, यह एक बहुत ही जीवंत तरीका है। इस मनोवैज्ञानिक भय को दर्शाने का यह शारीरिक तरीका। यह निर्वासितों को जकड़ रहा होगा।

निर्वासन का अगला जत्था अपने विनाश और निर्वासन की प्रतीक्षा कर रहा है। श्लोक 20 में। खैर, अगर आप श्लोक 16 को देखें।

हमारे पास अंत में वह मान्यता सूत्र था। उन्हें पता चल जाएगा। वे आने वाले निर्वासित हैं।

वे जान लेंगे कि मैं ही प्रभु हूँ। लेकिन श्लोक 21 में। नहीं, श्लोक 20 के अंत में।

और तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूँ। और इस बिंदु पर। यह 597 युद्ध बंदियों की बात कर रहा है जो यहजेकेल के चारों ओर एकत्रित थे और इस दूसरी प्रतीकात्मक कार्रवाई को देख रहे थे। यही वह समय है जब यह घटित होता है।

जब लोग आए, तो उन्होंने बताया कि हम कितने डरे हुए हैं क्योंकि हम यरूशलेम के पतन और निर्वासन की आशंका कर रहे थे। मैंने कहा, हाँ।

यहजेकेल ने हमें इसके बारे में बताया। और फिर उन्हें एहसास हुआ। और जो अनुभव उन्हें बताया गया।

मैं आखिरकार उन्हें यकीन दिला दूँगा। कि यहजेकेल सही था। और वे अपनी झूठी उम्मीदों में गलत थे।

वादा किए गए देश में जल्द ही वापस जाने की बात। जब हम किताब के पहले भाग से गुजर रहे थे। हमने पाया कि दर्शन और प्रतीकात्मक क्रियाएँ।

इसके बाद संदेश आए। और ऐसा ही किताब के दूसरे भाग में भी है। और हम श्लोक 21 में आते हैं।

इनमें से पहले भाग के लिए। संदेशों की एक श्रृंखला जिसे हमें पढ़ना चाहिए। इस दूसरे भाग में।

और वास्तव में। अध्याय 19 तक। बहुत सारे संदेश।

इस पुस्तक के तीसरे तत्व के रूप में, यह पुस्तक का एक प्रमुख भाग है। और इसलिए हम यहाँ श्लोक 21 में हैं।

और इसमें संदेश ग्रहण करने का अपना परिचयात्मक सूत्र है। प्रभु का वचन मेरे पास आया।

और यह कहता है ... हे मनुष्य, इस्राएल की भूमि के विषय में तुम्हारी यह कहावत क्या है?

जो कहता है कि दिन लंबे हो गए हैं। और हर सपना व्यर्थ हो जाता है। मैंने पहले भी कहा है।

इसमें अस्पष्टता है। जब आपके पास दूसरे व्यक्ति के सर्वनाम होते हैं। और वास्तव में आपको हिब्रू पाठ की जांच करने की आवश्यकता है।

या कोई ऐसा जो इसे जानता हो। वह शब्द आपका है। आपकी यह कहावत क्या है?

यह ईजेकील को संबोधित नहीं है। यह एकवचन नहीं है। यह बहुवचन है।

और इसलिए, यह युद्ध बंदियों के बारे में बात कर रहा है। और उनकी सामान्य प्रतिक्रिया। यह निर्वासितों के सामान्य समुदाय से बात कर रहा है।

और वे जो कह रहे थे, उससे यहजेकेल की भविष्यवाणी पर संदेह पैदा हो रहा था।

और इसलिए यहाँ पर भगवान एक तरह से उनका समर्थन कर रहे हैं। दरअसल, इस समय उनके पैगम्बर भी उनका समर्थन कर रहे हैं। और वे कह रहे हैं।

खैर, आप हमें बताते रहिए। यरूशलेम के आने वाले विनाश के बारे में। और यहूदा से दूसरे लोगों के निर्वासन के बारे में।

लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। क्या ऐसा हुआ है? और हमें नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। हमें नहीं लगता।

क्योंकि दिन बीतते जा रहे हैं, और यह अभी तक नहीं हुआ है। तो, यह कब होने वाला है यहजेकेल? मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा।

ऐसा मत सोचो कि ऐसा होगा। और इसलिए, यहजेकेल ने अभी-अभी उन्हें बताया है। यह सिर्फ भगवान के नाम पर उनका विरोध करने के लिए कहा गया है।

और कहो कि यह सच नहीं है। यह सच नहीं है। इसलिए उन्हें बताओ।

भगवान भगवान ऐसा कहते हैं। यह संदेशवाहक सूत्र है। वह भगवान के संदेशवाहक के रूप में बोल रहे हैं।

मैं इस कहावत को समाप्त कर दूँगा। और वे इसे इस्राएल में कहावत के रूप में फिर कभी प्रयोग नहीं करेंगे। परन्तु उनसे कहो कि दिन निकट आ गए हैं।

और हर दर्शन की पूर्ति होगी। इस्राएल के घराने में फिर कभी कोई झूठा दर्शन या चापलूसी वाली भावी नहीं कही जाएगी।

अब , अन्य दर्शनों और भविष्यवाणियों का उल्लेख। यह वास्तव में अध्याय 13 की ओर इशारा करता है क्योंकि हमारे पास संदेशों की एक श्रृंखला होगी जो पूरी तरह से भविष्यवाणी के बारे में है।

और वास्तव में यह भविष्यवाणी के बारे में है। हमारी 1221 फ़ॉलोइंग भविष्यवाणी के बारे में है। और यह भविष्यवाणी के बारे में पहला संदेश है।

लेकिन बाद वाले झूठे भविष्यवक्ताओं से चिंतित होंगे। और हमेशा ही यह शर्मिंदगी होती थी कि शास्त्रीय भविष्यवक्ताओं को क्या करना पड़ता था। उनके साथ-साथ अन्य भविष्यवक्ताओं का भी संदेश था जो बिलकुल अलग था। और यहजेकेल को भी यिर्मयाह की तरह इसका सामना करना पड़ा।

और यशायाह ने ऐसा ही किया। लेकिन दिन निकट हैं। और हर दर्शन की पूर्ति होगी।

और इसलिए, यह मजबूत भाषा है 25. मैं, प्रभु, जो वचन बोलूँगा, वही बोलूँगा। और यह पूरा होगा।

अब और देर नहीं होगी। तुम्हारे दिनों के विद्रोही घराने में। मैं वचन बोलूँगा और उसे पूरा करूँगा, यहोवा की यही वाणी है।

तो, भगवान के नाम पर एक विरोधाभास। यह होने जा रहा है। और फिर उन्होंने अपना सुर थोड़ा बदल दिया।

बस थोड़ा सा। उसने कहा , ठीक है , तुम्हारा कहना सही है, ईजेकील। यह तुम्हारा आरोप है, और हमें संदेह है कि तुम सही हो।

और यरूशलेम और यहूदा के साथ बहुत कुछ गलत हुआ है। और हम और वे सज़ा के हकदार हैं। लेकिन हमें नहीं लगता कि यह बहुत समय तक होने वाला है।

भगवान इस पर अपना समय लेंगे। और शायद वह हमें एक और मौका देंगे और इसी तरह। इसलिए हम यह स्वीकार नहीं करते कि यह कभी भी जल्द ही होने वाला है।

और इसलिए, यह लोगों की ओर से आने वाली अगली आलोचना है। प्रभु का वचन मेरे पास आया। और लोगों की आलोचना ईश्वर के संदेश के माध्यम से प्रसारित होती है।

हमें यह नहीं बताया गया है कि यह जकेल ने निर्वासितों को यह कहते हुए सुना है। लेकिन परमेश्वर उसे बताता है कि निर्वासित क्या कह रहे हैं। यह उस कट्टरपंथी ईश्वर-केंद्रितता का हिस्सा है कि यह सब परमेश्वर केंद्रित है।

परमेश्वर प्रकट करता है कि वे यहाँ क्या कह रहे हैं। इस्राएल का घराना कह रहा है कि जो दर्शन उसने देखा है वह कई वर्षों के लिए है। वह दूर के समय के लिए भविष्यवाणी करता है।

हम अब इसके बारे में भूल सकते हैं जैसे कोई व्यक्ति बहुत ज़्यादा धूम्रपान करता है। और उसे कहा जाता है, ओह, तुम कैंसर से मर जाओगे।

मुझे अभी कई साल और जीने हैं। मुझे अभी कई साल और जीने हैं। और मैं सिगरेट पीना जारी रखूँगा।

और यह देरी चीजों को टालने में है। और इसलिए, यह सिर्फ एक पुष्टि है। मेरे किसी भी शब्द में अब और देरी नहीं होगी।

परन्तु जो वचन मैं कहता हूँ, वह अवश्य पूरा होगा, प्रभु परमेश्वर की यही वाणी है। और उन सभी को 587 तक प्रतीक्षा करनी पड़ी।

लेकिन आखिरकार यह सच हो गया। और इसलिए, यह जकेल को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा। जब उसने आम तौर पर निर्वासितों से यह संदेश दिया।

लेकिन उसे अन्य भविष्यवक्ताओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा। और यिर्मयाह द्वारा भेजे गए उस पत्र का भी। और उसके साथ जो कहानी जुड़ी है।

इसका तात्पर्य यह है कि अन्य भविष्यवक्ता भी थे जो कह रहे थे कि निर्वासन अधिक समय तक नहीं चलेगा और हम शीघ्र ही घर लौट जायेंगे।

और यिर्मयाह को इसे शुरू में ही खत्म करना होगा। और, मान लीजिए, 70 साल तक। तीन पीढ़ियाँ।

अभी बहुत समय हो गया है। वैसे भी, यह जकेल इन भविष्यवक्ताओं से मिला। इस्राएल के भविष्यवक्ताओं से।

इसराइल के भविष्यद्वक्ता। 13 और श्लोक 2. नश्वर लोग इसराइल के भविष्यद्वक्ताओं के खिलाफ़ भविष्यवाणी करते हैं। निर्वासित समुदाय द्वारा उन्हें वास्तविक भविष्यद्वक्ता के रूप में स्वीकार किया जाता है।

और वे भविष्यवाणी कर रहे हैं। जो अपनी कल्पना से भविष्यवाणी करते हैं, उनसे कहो, प्रभु का वचन सुनो।

प्रभु परमेश्वर इस प्रकार कहते हैं। नहीं, नहीं। प्रभु परमेश्वर इस प्रकार कहते हैं, वास्तव में, यहजेकेल को दिए गए इस संदेश की शुरुआत है।

लेकिन झूठे भविष्यद्वक्ता यही कह रहे थे कि “प्रभु का वचन सुनो”। और यह एक ऐसा सूत्र था जिसका इस्तेमाल यहजेकेल ने किया था।

और सच्चे भविष्यद्वक्ता इसका इस्तेमाल करेंगे। और इसलिए, यह अस्पष्टता है। और इसलिए, यह बहुत स्पष्ट है।

वे बहुत ईमानदारी से बोलते हैं। और बहुत दृढ़ विश्वास के साथ। और वे जो कह रहे हैं उस पर विश्वास करते हैं।

लेकिन परमेश्वर का अभियोग है। और वास्तविकता यह है कि वे अपनी कल्पना से भविष्यवाणी करते हैं।

उन्हें इसका एहसास नहीं है। लेकिन वे वास्तव में यह सब बना रहे हैं। और इसे सच के रूप में पेश कर रहे हैं।

यह मानना कि यह सच है। लेकिन यह सच नहीं है। आप ही वह व्यक्ति हैं जो सच बताते हैं।

और इसलिए, श्लोक 3 में। प्रभु परमेश्वर इस प्रकार कहते हैं। यहाँ उनके लिए एक संदेश है। उन मूर्ख भविष्यद्वक्ताओं के लिए अफसोस है जो अपनी आत्मा का अनुसरण करते हैं और जिन्होंने कुछ भी नहीं देखा है।

तो फिर यही बात है। यह सब उनके दिमाग में है। और इससे ज़्यादा कुछ नहीं।

यह बिलकुल भी सच्ची भविष्यवाणी नहीं है। और श्लोक 4 में कहा गया है। तुम्हारे भविष्यद्वक्ता खंडहरों के बीच गीदड़ों की तरह रहे हैं। और यह एक छोटा सा रूपक है।

यहाँ इसका इस्तेमाल बस यँ ही किया गया है। लेकिन यह स्थिति की वास्तविकता से अलग है। और कोई व्यक्ति खराब काम को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा है।

वे खंडहर हैं। और सियार इधर-उधर घूमते रहते हैं। क्या यहाँ कोई खाना है? क्या वहाँ कोई खाना है? नहीं, लोग चले गए हैं।

और खाना खत्म हो गया है। और इसलिए वे निराश हैं - निराश उम्मीदें।

और इसलिए, यह कह रहा है कि उनकी उम्मीदें निराश होने वाली हैं। ये भविष्यवक्ता खंडहरों के बीच गीदड़ों की तरह हैं। और वहाँ थोड़ा सा भोजन खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

तबाही के बीच। लेकिन वहाँ वास्तव में कुछ भी नहीं है। और फिर उन भविष्यवक्ताओं से सीधे श्लोक 5 में बात करते हुए। यदि आप दरारों में नहीं गए हैं। या इस्राएल के घराने के लिए दीवार की मरम्मत नहीं की है। तो, यह प्रभु के दिन युद्ध में खड़ा हो सकता है।

और यह एक रूपक है। पुराने नियम में ऐसा दो बार और आता है। और यहाँ यह लागू होता है।

यह एक रूपक है जो मध्यस्थता को संदर्भित करता है। याद रखें, हमने पिछली बार कहा था। भविष्यवक्ताओं का एक कार्य परमेश्वर के लोगों के लिए मध्यस्थता करना था।

वे सज़ा की भयानक बातें सुनते हैं। हे भगवान, उन्हें एक और मौका दो। अरे नहीं।

कृपया उन्हें थोड़ा और समय दीजिए। और मध्यस्थता ने शास्त्रीय भविष्यवक्ताओं के काम में एक भूमिका निभाई। लेकिन इसने सुना नहीं।

आने वाले विनाश को टालने के लिए कोई मध्यस्थता नहीं थी। उनके पास विनाश का कोई संदेश नहीं था। उनके पास केवल शांति का संदेश था।

वे आशावादी भविष्यवक्ता थे। और उन्होंने कहा कि दायित्व ईश्वर पर है। और ईश्वर शांति लाएगा।

और वह हमें उनके धर्मशास्त्र में अपना प्रेम दिखाने जा रहा है। दायित्व परमेश्वर पर टिका हुआ था। परमेश्वर के लोगों पर दायित्व का कभी कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

और जबकि नबियों के लिए आम तौर पर यह दोहरा दायित्व था, और वाचा परंपरा इसी के लिए थी। नबियों को इस मानवीय दायित्व के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

और इसलिए उनका यह ब्रांड शुरू से ही गलत है। और यहाँ मध्यस्थता का यह शब्द है। दरारों में जा रहा है।

परमेश्वर के लोगों के लिए दीवार की मरम्मत करना। और इसमें दो अंश हैं। एक भजन 106 और श्लोक 23 में है।

और यह मूसा के बारे में बात कर रहा है। मूसा, सोने के बछड़े की पूजा करने की त्रासदी के बाद, याद है? और भगवान ने कहा, मैं उन्हें नष्ट करने जा रहा हूँ।

मैं उन्हें नष्ट कर दूँगा। मैं तुम्हारे अन्दर से एक नया राष्ट्र बनाऊँगा, एक नए अब्राहम की तरह।

और परमेश्वर... मूसा ने मध्यस्थता की। और भजन 106 और श्लोक 23 में इसका वर्णन इस प्रकार है। इसलिए, उसने कहा कि वह उन्हें नष्ट कर देगा।

यदि मूसा उसका चुना हुआ उसके सामने खड़ा न होता। यह मध्यस्थ। यह ईश्वर और लोगों के बीच मध्यस्थ।

उनका नाश करने से अपने क्रोध को दूर करने के लिए। और इसलिए वहाँ यही संदेश था। और 34 और श्लोक में... नहीं, यह एक और संदर्भ होने जा रहा है।

ठीक है। हम इसे यहीं छोड़ देते हैं। और इसलिए परमेश्वर और परमेश्वर के लोगों के बीच यह मध्यस्थता नहीं है।

कहते हैं कि कृपया उन्हें छोड़ दें। इसके बजाय, उन्होंने झूठी भविष्यवाणी में झूठ की कल्पना की। वे कहते हैं कि भगवान कहते हैं।

जो अक्सर भविष्यवाणियों के संदेशों के अंत में सूत्र होता है। प्रभु कहते हैं जब प्रभु ने उन्हें नहीं भेजा है। और फिर भी वे अपने वचन के पूरे होने का इंतज़ार करते हैं।

यह सब उनके दिमाग में है और वे इसे नहीं जानते। वे इसे नहीं जानते। उन्हें लगता है कि यह सही है।

लेकिन उनकी आलोचना की जानी चाहिए और यह दिखाया जाना चाहिए कि वे गलत हैं। और ऐसा ही हुआ। श्लोक 8 में इन भविष्यवक्ताओं के लिए सज़ा होने वाली है।

मेरा हाथ उनके विरुद्ध उठेगा। श्लोक 9. वे मेरी प्रजा की सभा में नहीं होंगे, और न इस्राएल के घराने की पंजिका में नाम लिखे जाएंगे।

न ही वे इस्राएल की भूमि में प्रवेश करेंगे। वे कभी वापस नहीं जाएँगे। और वास्तव में, उन्हें परमेश्वर के लोगों से बहिष्कृत कर दिया जाएगा।

और वास्तव में वे वापस जाने के लिए जीवित नहीं रहेंगे। यह अजीब है, है न? अचानक से हमें इनका जिक्र मिल गया है। भूमि पर वापसी का।

हम ऐसा कभी नहीं करते। 587 से पहले के संदेशों में। यह जटिल नहीं है।

इस पर विचार ही नहीं किया गया है। और अंत का सिर्फ जिक्र ही किया गया है। और यह अंत है।

तुम देश छोड़ दोगे। तुम निर्वासन में चले जाओगे। बस।

बस यही है। और इसलिए यहाँ इसराइल की भूमि में प्रवेश न करने का संकेत प्रतीत होता है।

यह बात यहजेकेल के संदेशों में 587 के बाद ही आती है। और इसलिए, ऐसा लगता है कि यह विशेष संदेश अध्याय 13 के पहले भाग में है।

यह बाद के संदेशों से संबंधित है। यरूशलेम के पतन के बाद। और वास्तव में।

भविष्यवाणी का यह पूरा खंड। गलत भविष्यवाणी। यह विषयगत है।

और इसलिए, आपके पास 587 से पहले के संदेश हैं। और 587 के बाद के संदेश भी इसमें शामिल हैं। और ये संकेत हैं।

एक और सुराग। क्या यह पूरा है? पूरा पढ़िए।

मेरे लोगों का ज़िक्र है। मेरे लोग। और यह फिर से।

यह केवल वही बात है जो यहजेकेल ने 587 के बाद कही है। लेकिन पूरी बात यही है। ये मेरे लोग हैं।

भविष्यवक्ता मेरे असली लोगों के दुश्मन हैं। वे उन्हें गुमराह कर रहे हैं। और इसलिए पद 9 में मेरे लोग। पद 10 में मेरे लोग।

आगे बढ़ो। और फिर अगली भविष्यवाणी में। श्लोक 18 में मेरे लोग।

पद 19 में मेरे लोग। वहाँ दो बार है। पद 21 में मेरे लोग।

पद 23 में मेरे लोग। और इसलिए, यह भी एक संकेत है। परमेश्वर की प्रेमपूर्ण चिंता का।

वह इन लोगों को वापस देश में लाने जा रहा है, और इन झूठे भविष्यवक्ताओं को बाहर निकाल दिया जाएगा। यह 587 के बाद की बात है।

और ये झूठे भविष्यवक्ता बहुतायत में हैं। वे शांति कहते हैं जबकि श्लोक 10 में कोई शांति नहीं है। यहाँ शालोम है।

जिन्हें हम शालोम भविष्यवक्ता कहते हैं। शांति के लिए शब्द शालोम है। और यिर्मयाह को भी उनसे सामना करना पड़ा।

शालोम के भविष्यवक्ता। आशावादी भविष्यवक्ता। जो हमेशा ईश्वर की ओर से दायित्व की बात करते थे।

और कभी भी परमेश्वर के लोगों की ओर से दायित्व का उल्लेख नहीं किया गया। इस मामले में, ये भविष्यवक्ता। लेकिन फिर आपके पास एक और रूपक है।

काफी विकसित रूपक। पद्य 10 से आगे। एक दीवार के बारे में।

और यह रूपक में एक पत्थर की दीवार है। और इसे मोटे तौर पर बनाया गया है।

बिना किसी गारे के। और थोड़े से सफ़ेद प्लास्टर की वजह से यह ठीक लग रहा है।

इस पर मोटा सफ़ेद प्लास्टर लगाया गया है। और आपको लगता है कि यह एक अच्छी ठोस दीवार है। लेकिन फिर तूफ़ान आ जाते हैं।

और हवाएँ चलती हैं। और दीवार गिर जाती है। और हम वहाँ पहुँच जाते हैं।

यह सच है, यह उजागर हो चुका है। और यही इन झूठे भविष्यवक्ताओं का रवैया है। और वे शांति की बात करते हैं।

और वे एक ऐसी दीवार के बारे में बात कर रहे हैं जो ठोस नहीं है। एक ऐसी दीवार जो बहुत आसानी से नष्ट हो सकती है। और वे उस पर सफ़ेदी पोत देते हैं, बस सफ़ेदी पोत देते हैं। यह सफ़ेद प्लास्टर। लेकिन यह वास्तव में ठोस नहीं है।

और मैं उस दीवार को गिरा दूँगा। और वे झूठे भविष्यवक्ता पद 14 में बताई गई दीवार की तरह नष्ट हो जाएँगे।

और तब तुम जान लोगे कि मैं यहोवा हूँ। और इसलिए दीवार अब वहाँ नहीं है, न ही वे लोग हैं जिन्होंने इसे रंगा था। श्लोक 15 में।

इस्त्राएल के भविष्यवक्ता यरूशलेम के विषय में भविष्यवाणी करते थे और उसके लिये शान्ति के दर्शन देखते थे, परन्तु शान्ति न हुई।

खैर, वह पुरुष पैगम्बरों के खिलाफ था। पहला अनुच्छेद 13 में है। लेकिन दूसरा अनुच्छेद महिला पैगम्बरों के खिलाफ है।

और इसलिए, यहाँ लिंग का भेद है। और श्लोक 17 में ये महिलाएँ हैं जो भविष्यवाणी कर रही हैं।

लेकिन वे सार्वजनिक रूप से भविष्यवाणी नहीं करते। वे अपनी भविष्यवाणी निजी तौर पर करते हैं। और उनके घर पर ग्राहक आते हैं।

और वे फीस लेते हैं। वे बड़ी फीस लेते हैं। और सच में, वे साधारण भविष्यवक्ता नहीं हैं।

वे एक तरह से मानसिक रूप से सक्षम हैं। और वे जादू करते हैं। और तरह-तरह की अजीबोगरीब और अद्भुत चीजें करते हैं।

और फिर भी वे, पद 17 में आपके लोगों की बेटियाँ। वे अपनी कल्पना से भविष्यवाणी कर रही हैं। और पद 18 में उन्होंने एक काम किया।

वे अपने ग्राहकों के लिए जो जादू करते थे, उससे जुड़े हुए। वे सभी कलाइयों पर पट्टियाँ सिल देते हैं। और हर ऊँचाई के लोगों के सिर के लिए परदे बनाते हैं।

सिर पर फिट होने वाले अलग-अलग आकार के घूंघट। और हमें यह नहीं बताया गया कि यह कैसे काम करता है। लेकिन यह एक है।

यह उनके द्वारा डाले जाने वाले जादू का हिस्सा था। और उन्हें शिकारी इसलिए कहा जाता है क्योंकि अगर आप इन महिलाओं के पास जाते तो वे ऐसा कर देतीं।

और कहा कि तुम्हें कोई पसंद नहीं है। खैर, एक शुल्क के लिए, ये महिलाएँ उन लोगों को कोसती थीं जिन्हें तुम पसंद नहीं करते थे। और इसलिए, वे शिकारी की तरह थीं।

मानव जीवन का शिकार करना। क्या तुम मेरे लोगों के बीच जीवन का शिकार करोगे? और अपने जीवन को बचाए रखोगे।

और यह सच था। वे यह सब पैसे के लिए कर रहे थे। और भोजन के लिए भी कर रहे थे।

पद्य 19. तुम मेरे लोगों के बीच मुझे अपवित्र करते हो। वे परमेश्वर के नाम से बोल रहे थे।

अन्य नबियों की तरह तुमने भी मुट्ठी भर जौ के लिए मेरे लोगों के बीच मुझे अपवित्र किया।

और रोटी के टुकड़ों के लिए उन लोगों को मार डाला जो मरने के योग्य नहीं थे। और उन लोगों को जीवित रखा जो जीवित नहीं रहने योग्य थे।

तुम्हारे झूठ से मेरे लोगों को जो झूठ सुनते हैं। तो, ये जादुई मंत्र थे। और आशीर्वाद थे।

और वहाँ शाप भी थे। लेकिन वे सभी गलत थे। और उनका लोगों के जीवन से कोई लेना-देना नहीं था।

और वे बहुत प्रभावी हो सकते थे। और लोग मर जाते। लेकिन वे गलत लोग मर रहे थे।

और लोगों को आशीर्वाद दिया जाना चाहिए था। और उन्हें शापित होना चाहिए था। यही उनके जीवन का संकेत था।

और इसलिए, वे भी। उनके साथ भी, परमेश्वर द्वारा निपटा जाएगा। श्लोक 23।

मैं अपने लोगों को तुम्हारे हाथ से बचाऊंगा। श्लोक 11. अध्याय 14 का 1 से 11 अंतिम भाग है।

एक बार फिर, यह अध्याय 8 जैसा है। इस्राएल के बुजुर्ग मेरे पास आए और मेरे सामने बैठ गए। ये उन 597 निर्वासितों में से कुछ हैं, जिन्हें उस श्रम शिविर में जिम्मेदारी का पद मिला हुआ है। वे चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें एक अनुकूल भविष्यवाणी दे।

लेकिन इसमें एक खामी है। इसमें एक खामी है क्योंकि वे दोहरे विचार वाले लोग हैं।

और वे अपने दांव सुरक्षित रखते हैं। और भगवान यह जानते हैं। वे बेबीलोन के देवताओं की पूजा भी करते हैं।

और इसलिए, वे अच्छे हैं, यहोवा। इसलिए, वे यहोवा की पूजा करते हैं। वे यहोवा से प्रार्थना करते हैं।

और वे यहजेकेल की बात सुनते हैं। दूसरी ओर, वे अपने दांवों को सुरक्षित रखते हैं। और उनके दिलों में यह दोहरी मानसिकता है।

और इसलिए, हालांकि वे ऐसे लोग हैं जो ईश्वर का सम्मान करते हैं। वे दो स्वामियों की सेवा करने की कोशिश कर रहे हैं। और जैसा कि हम जानते हैं, यह काम नहीं करेगा।

और इसलिए, परमेश्वर उनके दिलों में देख सकता है। और वह उनकी निंदा कर रहा है। इन लोगों ने अपनी मूर्तियों को अपने दिलों में बसा लिया है।

फिर भी वे ईश्वर से अनुकूल संदेश पाने की चाहत में पैगंबर के पास आते हैं। खैर, ऐसा होने वाला नहीं है। और वास्तव में पश्चाताप के लिए यह आह्वान है।

पद 6. परमेश्वर का प्रभु यह कहता है। पश्चाताप करो और अपनी मूर्तियों से दूर हो जाओ। अपने घृणित कामों से अपना मुँह मोड़ लो।

अपने विश्वास में एकनिष्ठ रहो और केवल मेरी ही पूजा करो। यही संदेश है। और परमेश्वर के पास इसके अलावा कोई शब्द नहीं है।

लेकिन फिर, श्लोक 9 में। हमें एक भविष्यवक्ता की भविष्यवाणी मिलती है। वहाँ एक ऐसी स्थिति की कल्पना की गई है जहाँ ये लोग एक भविष्यवक्ता के पास जाते हैं। और वह कहता है, ठीक है, वे यहोवा के हैं।

मुझे लगता है कि मैं ईश्वर से उनके लिए संदेश मांग सकता हूँ। और पैगंबर लोगों को ध्यान में नहीं रखते। उनके धार्मिक जीवन के दो पहलू हैं।

और इसलिए, श्लोक 9 में उन भविष्यवक्ताओं पर दोष लगाया गया है। और इसलिए, भविष्यवक्ता के अनुचित तरीके से काम करने का खंडन किया गया है। और साथ ही, जो उपासक यहजेकेल के पास आते हैं। और उनके जीवन का एक दूसरा पहलू भी है जिसके बारे में यहजेकेल को पता नहीं है।

लेकिन परमेश्वर निश्चित रूप से ऐसा करता है। यदि आप श्लोक 11 के अंत में ध्यान दें। तो वे मेरे लोग होंगे।

यदि इस्राएल के घराने को ऐसे भविष्यद्वक्ताओं और ऐसे दो मन वाले लोगों से बचा लिया जाए, तो इस्राएल का घराना फिर कभी मुझसे दूर नहीं जाएगा।

न ही अपने अपराधों से खुद को फिर से अशुद्ध करें। तब वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा। और इसलिए, यह भी, उस वाचा के वादे के कारण 587 के बाद का प्रतीत होता है। यह एक उदाहरण है, जो हमें यहजेकेल 37 और श्लोक 23 में मिलता है।

तब वे मेरे लोग होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊंगा। यह निश्चित रूप से पोस्ट 587 संदेश में है। और इसलिए, हम आगे बढ़ गए हैं।

और हम 587 के बाद निर्वासितों के अधिक सामान्य समूह के संदर्भ में हैं। और हमारे पास यह विषयगत लिंक है। भविष्यद्वक्ताओं और भविष्यवाणी के बारे में संदेशों का एक संग्रह।

लेकिन उनमें से कुछ 587 से पहले के हैं। और उनमें से कुछ 587 के बाद के हैं। और इसलिए कुल मिलाकर, यह भविष्यवाणी का सवाल है।

और विवेक की आवश्यकता है। और लोगों को अच्छे और सच्चे भविष्यद्वक्ताओं के बीच विवेक करने की आवश्यकता है। और भविष्यवाणी के इस मुद्दे को एक साथ रखने के लिए बहुत जगह दी गई है।

और दावे किए जा रहे हैं। और कुछ सही हैं, और कुछ गलत हैं। लेकिन वह विवेक होना चाहिए।

यहजेकेल को एक सच्चे भविष्यद्वक्ता के रूप में भाग लेना होगा। और इन झूठे भविष्यद्वक्ताओं की आलोचना करनी होगी। अगली बार हमारा खंड 14:12 से अध्याय 16 के अंत तक होगा।

यह डॉ. लेस्ली एलन और यहजेकेल की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 6 है, यरूशलेम से निर्वासन के बारे में संकेत, भविष्यवाणी के बारे में संदेश, पतन से पहले और पतन के बाद। यहजेकेल 12:1-14:11।